SALTOC Project
Title: Ataeva: Uttara Pradeśa Hindī Saṃsthāna kā traimāsika
Imprint: Lakhanaū : Uttara Pradeśa Hindī Saṃsthāna
OCLC: 19061276
Volume 4, no. 27, Apr 1991
TOC Supplied by: Princeton University Library

अतएव

उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान की मासिक पत्रिका

वर्ष : 4 : अंक : 27 अप्रैल : 1991

सम्पादक

दया प्रकाश सिन्हा

उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान

राजर्षि पुरुषोत्तमदास टण्डन हिन्दी भवन, महात्मा गांधी मार्ग, लखनऊ-226 001 (उ०प्र०)

मूल्य : वार्षिक पैंतीस रुपये : प्रति अंक तीन रुपये पचास पैसे

अतएव

अपनी बात			1
उ०प्र० हिन्दी संस्थान की गतिविधियाँ			4
अन्य साहित्यिक-सांस्कृतिक समाचार			6
यन्त्र-विज्ञान	:	मृगांक शेखरानन्द	9
हिन्दी क्यों आवश्यक है	:	महात्मा गांधी	12
माखनलाल चतुर्वेदी की कविता का केन्द्रीय भाव	:	अनुज प्रताप सिंह	14
कविता	:	रामानुज लाल श्रीवास्तव	17
सूरीनाम में भारतीय और हिन्दी	:	डॉ० ज्ञान अधीन से असित जोशी की बातचीत	18
आचार्य नरेन्द्र देव : राष्ट्रीयता और अन्तर्राष्ट्रीयता	:	डॉ० रामबहादुर वर्मा	22
विकल्प	:	श्रीमती विद्या सक्सेना	25
दरकते सम्बन्ध	:	इन्द्रा वर्मा	26
काशी नागरी प्रचारिणी सभा का प्रारम्भिक इतिहास	:	उदय शंकर दुबे, पशुपति नाथ पाण्डेय	29
दो महाकवि : बंगला तथा हिन्दी	:	चण्डीदास, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'	34
भारतीय संस्कृति में मानवतावाद	:	रमा वाजपेई	36
सम्पूर्णानन्दजी के भजन	:	डॉ० सम्पूर्णानन्द	40
चिकित्सक की चिन्ता	:	आर०एम० वोरगाओंकार	41
राष्ट्रीय भावात्मक एकता और तेलुगु साहित्य	:	डॉ० भीमसेन निर्मल	45
महुवा वन	:	डॉ० रामअवध शास्त्री	48
साहित्य, समाज और साहित्यकार	:	डॉ० ओम प्रकाश 'प्रकाश'	52
तीन समीक्षाएं	:	अशांत	54
यथार्थ दृष्टि की कविताएं	:	डॉ० सूर्य प्रसाद शुक्ल	56
सन्त कवि तिरुवल्लुवर	:		58

लेखकों के विचार अपने हैं। सम्पादक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।